भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1502
उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 9 फरवरी, 2026
20 माघ, 1947 (शक)

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में विरासत का संरक्षण

1502. श्रीमती रूचि वीरा:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में संग्रहालयों, अभिलेखागारों और विरासत प्रलेखन सुविधाओं की कमी का आकलन किया है जिसके कारण ऐतिहासिक अभिलेखों, मौखिक परंपराओं और शिल्प इतिहास का स्थायी नुकसान हो रहा है;
(ख) यदि हां, तो उक्त जिले में विरासत संरक्षण के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित अवसंरचना योजनाओं, बजटीय आवंटनों, संस्थागत भागीदारी और चरणबद्ध कार्यान्वयन योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): भारत सरकार देश भर में पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों, शिल्प, मौखिक परंपराओं, पुरालेखीय अभिलेखों और पुरातात्विक अवशेषों सहित भारत की मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के प्रसार का प्रलेखन और अनुसंधान करती है, पंरतु यह प्रलेखन जिले-वार रूप से नहीं किया जाता है। तथापि, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, पर्याप्त कलाकृतियों की उपलब्धता, पर्यटकों की संख्या और पर्याप्त स्थान की उपलब्धता आदि जैसे कारकों के आधार पर स्थल-संग्रहालयों का निर्माण करता है। इसके अलावा, राष्ट्रीय संस्मारक एवं पुरावशेष मिशन ने उत्तर प्रदेश में 228 स्मारकों (निर्मित धरोहर और स्थलों) और 38,788 पुरावशेषों का दस्तावेजीकरण करके इनका आंकड़ा प्रकाशित किया है। यह आंकड़ा राष्ट्रीय संस्मारक एवं पुरावशेष मिशन की वेबसाइट http://nmma.nic.in पर प्रकाशित किया गया है।

(ख) और (ग): प्रलेखन कार्य को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए, राष्ट्रीय संस्मारक एवं पुरावशेष मिशन नियमित रूप से विभिन्न क्षेत्रों में कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है ताकि इससे संबंधित जागरूकता बढ़ाई जा सके और मंडल कार्यालयों के साथ समन्वय करते हुए विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, गैर-सरकारी संगठनों और अन्य इच्छुक संगठनों को प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जा सकें। प्रलेखन कार्य में तीव्रता लाने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य-स्तरीय कार्यान्वयन समिति (एसएलआईसी) को पुनर्गठित करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, राष्ट्रीय संस्मारक एवं पुरावशेष मिशन को कुल 20 लाख रुपये का आवंटन किया गया।

*****